पंजाब केसरी 17/01/2026

जल संचय ही जीवन संचय है : शुभजीत मुखर्जी

जी.एम.एन. कॉलेज में 7 दिवसीय पर्यावरण संरक्षण व सतत् विकास कार्यशाला का शुभारंभ

अम्बाला, 16 जनवरी (बलराम): छावनी के जी.एम.एन. कॉलेज में मिशन ग्रीन एंड लीप के सहयोग से शुक्रवार को प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् विकास विषय पर 7 दिवसीय कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य युवाओं को वर्मी कम्पोस्टिंग, ठोस-तरल-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा वर्षा जल संचयन जैसे महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूक करना है।

जी.एम.एन. कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण एवं सतत् विकास कार्यशाला में भाग लेते प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त, पर्यावरणविद् एवं विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

कार्यशाला के पहले सत्र में प्रख्यात पर्यावरणविद् शुभजीत मुखर्जी ने सहभागिता की, जिसमें प्रतिभागियों ने अत्यंत उत्साह एवं रुचि का परिचय दिया। अपने विशेषज्ञ व्याख्यान में शुभजीत मुखर्जी ने कहा कि जल संचय ही जीवन संचय है। उन्होंने वर्मी कम्पोस्टिंग, ठोस-तरल-प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, वर्षा जल संचयन तथा हरित एवं सतत् विकास से जुड़े व्यावहारिक उपायों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उनके सत्र ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के वैज्ञानिक एवं व्यवहारिक पक्षों से रूबरू कराया।

इससे पूर्व, अपने संबोधन में प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने मुंबई से पधारे शुभजीत मुखर्जी का हरियाली के प्रतीक स्वरूप एक पौधा भेंट कर उनका स्वागत किया। अपने स्वागत संबोधन में डॉ. दत्त ने इस कार्यशाला को महाविद्यालय के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों में पर्यावरण के प्रति व्यावहारिक समझ एवं उत्तरदायित्व की भावना विकसित होती है। उन्होंने एन.एस.एस., एन.सी.सी., इको क्लब एवं वाई.आर.सी. जैसे छात्र संगठनों की सक्रिय सहभागिता की सराहना करते हुए इसे विद्यार्थियों की पर्यावरणीय चेतना का प्रमाण बताया।

इस अवसर पर पर्यावरणविद् शाहिन शर्मा ने महाविद्यालय की इस पर्यावरणीय पहल की भरपूर प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यार्थियों द्वारा स्वयं आगे बढ़कर जिम्मेदारी लेना अत्यंत सराहनीय है। उन्होंने एन.एस.एस., एन.सी.सी., इको क्लब एवं वाई.आर.सी. की भूमिका को विशेष रूप से उल्लेखनीय बताते हुए इसे अन्य शैक्षणिक संस्थानों के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया।